गुरुग्राम में नौसैनिक अड्डा प्रारंभ

चर्चा में क्यों?

12 सितंबर, 2025 को [भारतीय नौसेना](#) **प्रमुख (CNS) एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी** ने गुरुग्राम में नए **नौसैनिक अड्डे**, [INS अरावली](#) का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **भूमिका:** अरावली शृंखला के नाम पर रखे गए इस नए अड्डे का मुख्य कार्य होगा:
  - **भारतीय नौसेना** के **सूचना एवं संचार केंद्रों** को सहायता प्रदान करना।
  - भारत के **कमान, नियंत्रण, संचार** और [मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस (MDA)](#) ढाँचे को सशक्त बनाना।
  - **नौसेना इकाइयों, MDA केंद्रों** और संबद्ध **हितधारकों** के बीच **निर्बाध समन्वय** को बढ़ाना।
- **आदर्श वाक्य:**
  - अड्डा अपने आदर्श वाक्य से संचालित होगा: '**सामुद्रिक सुरक्षायाः सहयोगं**' (**सहयोग के माध्यम से समुद्री सुरक्षा**)।
- **क्रेस्ट का प्रतीकात्मक स्वरूप:** INS अरावली का क्रेस्ट (Crest) इसके आदर्श और मिशन को दर्शाता है:
  - **केंद्रीय पर्वत छवि:** अरावली शृंखला की दृढ़ता का प्रतीक।
  - **उगता सूरज**: सतर्कता, अनुकूलनशीलता और तकनीकी क्षमताओं के उदय का प्रतिनिधित्व करता है।
  - **सामुद्रिक आदर्श:** भारत के सागरीय हितों की रक्षा में सदैव सतर्कता।
  - संपूर्ण क्रेस्ट अड्डे की **दृढ़ता, तकनीक और सहयोगी सुरक्षा** के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **महत्त्व:**
  - **प्रौद्योगिकी** और **सहयोग** के केंद्र के रूप में कार्य करना, महासागरों के विभिन्न **प्लेटफार्मों** तथा **भागीदारों** को जोड़ना।
  - प्रधानमंत्री के [**'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिये पारस्परिक तथा समग्र उन्नति)**](#) के दृष्टिकोण को **मूर्त रूप देना**।
  - **हिंद महासागर क्षेत्र** में **प्राथमिक सुरक्षा साझेदार** के रूप में भारत की **स्थिति** को सुदृढ़ करना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/naval-base-commissioned-at-gurugram